। संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । 8 फरवरी 2009

बैन से महंगे हुए चाइनीज खिलौने

मनीष अग्रवाल ॥ नई दिल्ली

चाइनीज खिलौनों के आयात पर रोक का असर बाजारों में दिखने लगा है। पहले की तुलना में जहां इनकी कीमतें बढ़नी शुरू हो गई हैं, वहीं इनकी सेल में भी कमी आई है।

सरकार ने 23 जनवरी से चीन से खिलौनों के आयात पर छह महीने के लिए रोक लगा दी है। विदेशी व्यापार महानिदेशालय का तर्क है कि इस कदम से खिलौने बनाने वाली देसी कंपनियों को डूबने से बचाया जा सकेगा। दूसरे, चाइनीज खिलौनों में केमिकल तत्वों की मात्रा भी अ...क पाई गई, जो कि बच्चों के हेल्थ के लिए हानिकारक है। होलसेल मार्केट सदर बाजार में पहले जो चाइनीज खिलौने 10 से 50 रुपये के बीच बेचे जाते थे, आज उनकी कीमतें दोगुना तक बढ़ गई हैं। इसी तरह 50-200 रुपये कीमत वाले खिलौनों की दरें 30-50 फीसदी, 200-1,000 रुपये के खिलौनों की कीमतें 15-25 और इससे ऊपर की कीमत वाले चाइनीज खिलौनों की कीमतें 10-20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। दुकानदारों का कहना है कि कीमतें बढ़ने का अहम कारण इंपोर्टर और होलसेलर द्वारा कीमतों का बढ़ाया जाना और माल की सप्लाई में कमी होना है। सदर बाजार में बाबा टॉयज के मालिक आशीष जैन का कहना है कि इंपोर्टर्स ने खिलौनों की कीमतें 60 फीसदी तक बढ़ा दी हैं, जिससे रिटेल में बिकने वाले खिलौने भी महंगे हो गए हैं। वहीं दूसरे दुकानदार ताराचंद गुप्ता का कहना था कि महंगे होने के बाद भी चाइनीज खिलौने देसी खिलौनों से सस्ते हैं।

...मगर अब भी धड़ल्ले से बिक रहे हैं ये

नीतू सिंह ॥ नई दिल्ली

इंपोर्ट पर बैन लगने के बावजूद चाइनीज खिलौने धड़ल्ले से बाजारों में बिक रहे हैं। बच्चों की हेल्थ पर बुरा असर पड़ने की वजह से करीब दो हफ्ते पहले इन खिलौनों के इंपोर्ट पर सरकार ने पाबंदी लगा दी थी, मगर दुकानदार यह दलील देकर अभी भी इन खिलौनों को बेच रहे हैं कि उनके पास पहले से लाखों का स्टॉक पड़ा हुआ है।

ये खिलौने सदर बाजार, करोल बाग, कमला नगर, पालिका बाजार, लाजपत नगर और दूसरे छोटे-बड़े सभी बाजारों में खुलेआम बिक रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि बाजारों में ऐसी बहुत सारी चीजें बिक रही हैं जो हेल्थ के लिए हानिकारक हैं। ऐसे में सिर्फ चाइनीज खिलौनों पर ही बैन क्यों लगाया गया है। उनका कहना है कि सारे चाइनीज खिलौने बच्चों के हानिकारक नहीं हैं, बावजूद इसके हम सरकारी नियमों से बंध गए हैं। लेकिन फिलहाल हमारी दुकानों में करीब सवा लाख से ढाई लाख तक के चाइनीज खिलौने हैं। एक महीने के अंदर यह स्टॉक खत्म हो जाएगा, उसके बाद हम दूसरे खिलौने बेचना शुरू कर देंगे। बैन के बावजूद चाइनीज खिलौने बिकने चाहिए या नहीं, इस बात को लेकर दिल्ली सरकार अभी कोई फैसला नहीं कर पाई है।

दिल्ली की स्वास्थ्य मंत्री डॉ. किरण वालिया का कहना है कि ऐसी एक भी चीज बाजार में नहीं बिकनी चाहिए, जो हेल्थ के लिए हानिकारक हो, मगर क्या सारे चाइनीज़ खिलौने हेल्थ के लिए खतरा हैं? इसकी प्रॉपर जांच होनी चाहिए। उनका कहना है कि हम केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से सलाह लेंगे। डॉक्टरों का कहना है कि चाइनीज खिलौने बच्चों की हेल्थ के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। इनसे क्रॉनिक लिवर डैमेज, किडनी डैमेज और हाइपरटेंशन का खतरा है। इन्हें तुरंत मार्केट से हटाया जाना चाहिए। रॉकलैंड हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट के प्रमुख डॉ. संजीव बगई कहते हैं कि इन खिलौनों में पॉलीप्रोपलीन होता है, जिसके कारण स्किन एलर्जी, रेडनेस और कंजक्टिवाइटिस हो सकता है। इनमें इस्तेमाल होने वाले रासायनिक कलर बच्चों के लिवर, किडनी और ब्रेन को डैमेज कर सकते हैं। इतना ही नहीं, लेजर वाली लाइट्स रेटिना को भी डैमेज कर सकती है। ऐसे में इनके लिए कड़े नियम बनाए जाने चाहिए।

Mamta Bhatt